नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305 इ-मेल: mgahvpro@gmail.com

वेबसाइट : www.hindivishwa.org

शिक्षा विभाग में नवागंतूक विद्यार्थियों का स्वागत

शिक्षा समाज की स्थायी आवश्यकता - कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र

वर्धा दि. 31 जुलाई 2015: इंटरनेट, मोबाईल आदि नये उपकरणों के आगमन से शिक्षा का क्षेत्र भी प्रभावित हुआ है। शिक्षा समाज के लिए एक स्थायी आवश्यकता है। उक्त उदबोधन महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने दिए। विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग नवागंतूक छात्रों के स्वागत कार्यक्रम में वे विद्यार्थियों को संबोधित कर रहे थे।

कार्यक्रम में प्रतिकुलपति प्रो. चित्तरंजन मिश्र, वित्ताधिकारी संजय भास्कर गवई, शिक्षा विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. अरविंद कुमार झा मंचस्थ थे। कुलपति ने विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि विद्यार्थियों को हमेशा ज्ञान ग्रहण करते रहना चाहिए और ज्ञान पाने के पात्र भी बनना चाहिए। विश्वविद्यालय में पहली बार बी. एड. की पढ़ाई शुरू किए जाने को लेकर उन्होंने कहा कि बी. एड. के छात्रों को रोज़गार एवं शिक्षा के अन्य क्षेत्र में करिअर बनाने के लिए अनंत संभावनाएं है।

प्रतिकुलपति प्रो. चित्तरंजन मिश्र ने कहा शिक्षा संवेदनशीलता सीखाती है और सक्रियता का संस्कार भी देती है। विश्वविद्यालय की विशेषता के बारे में उन्होंने कहा कि यह भारत का यह इकलौता विश्वविद्यालय है जहां छात्रों को कंप्यूटर की शिक्षा अनिवार्य रूप से दी जाती है। अपनी पढ़ाई के दौरान छात्रों का यहां एक विदेशी भाषा भी सीखायी जाती है। यहां विद्यार्थी वत्सल वातावरण का अनुभव किया जा सकता है। वित्ताधिकारी संजय भास्कर गवई ने कहा कि विश्वविद्यालय में बी. एड. की पढ़ाई शुरू होना एक गौरव की बात है। वर्धा शहर और आसपास के छात्रों को इस अवसर का लाभ उठाना चाहिए। शिक्षा विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. अरबिंद कुमार झा ने प्रास्ताविक में बी. एड. शिक्षा की आवश्यकता और दो वर्ष की अवधी की पढ़ाई के दौरान किए जाने वाले कार्यक्रम एवं उपक्रमों की जानकारी दी। इस अवसर पर विभाग की ओर से विशेष कर्तव्य अधिकारी नरेंद्र सिंह, जनसंपर्क

अधिकारी बी. एस. मिरगे, सहायक पुस्तकालय अध्यक्ष आनंद मण्डित मलयज, गिरीश पाण्डेय सहित संजय सिंह, राजीव पाठक, गिरीश पाण्डेय, कल्पना थूल, संजय तिवारी, आलोक, विवेक, संदीप, सुभाष, नौशाद, तुषार वानखेडे, फवाद, प्रदीप, पदमाकर, अश्विनी, महेंद्र आदि का कुलपति तथा प्रतिकुलपति

द्वारा सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन सहायक प्रोफेसर ऋषभ कुमार मिश्र ने किया तथा आभार एसोसिएट प्रोफेसर गोपाल कृष्ण ठाकुर ने माना।